किसान बहनों एवं भाईयों
कृषि से सम्बंधित समस्यओं के लिए सम्पर्क करें :

1800 345 6455

या आप हमे व्हाट्सप्प भी कर सकते है

7004528893

प्रकाशक :

कृषि विज्ञान केन्द्र, पटना (बाढ़)

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर,

Diksha Art & Prints
+91-9431436534
ISO: 19001:2015

कृषक संदेश

जनवरी–2024 (गरमा विशेषांक)

मक्का में फॉल आर्मीवॉर्म के लक्षण और प्रबंधन

1. कागजी छिद्र :

अंकुरित अवस्था से ही मक्का फसल का अवलोकन करना, शुरू कर देना चाहिए। यदि विभिन्न आकार के लम्बे कागजी छिद्र आस–पास के कुछ पौधे की पंत्तियों पर दिखाई देते है तो फसल फॉल आर्मीवर्म से प्रभावित हो सकती है। यह लक्षण फॉल आर्मीवर्म लारवा की पहली और दूसरी इंस्टार के कारण होता है जो पत्ती की सतह को खुरच कर खाते है।

प्रबंधन :

(i) 5÷ नीम बीज कर्नेल इमल्शन (NKSE) या ऐजाहिराक्टिन 1500 पीपीएस @5 मिली/लीटर पानी

(ii) बेसिलम यूजिपनिज (किस्म कुर्सटकी) पफॉर्मुलेशन ;डिपलद्ध 8 एस @2 मिली/लीटर पानी या डेल्पिफन 5 डब्यूजी @ 2 ग्राम/लीटर पानी।

(iii) एनटोमोपैथेजेनिक कवक मेटारिजियम एनिसोप्लाए (1x 10 cfu/g) @ 5 ग्राम/लीटर पानी और या नोमुरिया रिलेबी चावल अनाज पफॉर्मूलेशन (1x10 cfu/g) @ 5 ग्राम/लीटर पानी

2. कटे–फटे छिद्र :

एक बार जब लारवा की तीसरे इंस्टार अथवा में प्रवेश करता है तो इसकी खाने की प्रवृत्ति के कारण पत्तियों पर कटे–पफटे ;गोल से आयताकार आकार केद्ध छिद्र बन जाते है। लारवा की वृद्धि के साथ छिद्रों का आकार भी बढ़ाता जाता है।

प्रबंधन :

फॉल आर्मीवर्म लारवा की तीसरी और चौथी इंस्टार के द्वारा नुकसान होने पर निम्नलिखित रासायनिक कीटनाशकों के छिड़काव की आवश्यकता होती है।

(i) स्पाईनटोरम 11.7% एस.सी. @0.5 मिली/लीटर पानी

(ii) क्लोरेट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी @0.4 मिली/लीटर पानी

(iii) थियामेथोक्साम 12.6% + लैम्बडा साइहैलोथ्रीन 9.5% जेड सी @0.25 मिली/लीटर पानी

3. अत्याधिक पत्ती हानि :

जब लारवा पांचवी इंस्टार में प्रवेश करता है तो यह पत्तियों को तेजी से खा कर नष्ट कर देता है। लारवा की छठी इंस्टार अवस्था बड़े पैमाने पर पत्तियों को खा कर नष्ट करती है और ज्यादा मात्राा में मल पदार्थ का स्त्राव करती है।

प्रबंधन :

2–3 लीटर पानी में 10 किलो चावल की भूसी और 2 किलों गुड़ मिलायें और मिश्रण को 24 घंटे तक फेंटने (किण्वन) के लिए रखें। खेतों में अनुप्रयोग से ठीक आध्े घंटे पहले 100 ग्राम थायोडिकार्ब 75% WP मिलाएं और 0.5–1 से.मी. व्यास के आकार की गोलियां तैयार करें। यदि गोलियां बहुत चिपचिपी है। तो रोल करते समय कुछ बालु मिला लें। इस तरह से तैयार किए गए विशेष जहरीले पदार्थ/चुग्गा को शाम के समय पौधे की गोब में डालना चाहिए। यह मिश्रण एक? एकड़ क्षेत्रा के लिए पर्याप्त होत है।

4. टेसल (नस मंजरी) और भुट्टे को नुकसान

प्रजनन अवस्था में टेसल और भुट्टा, दोनो ही बहुत संवेदनशील भाग होते है जो सीधे पैदावार को प्रभावित करता है।

प्रबंधन :

प्रजनन अवस्था में रासायनिक नियंत्राण उचित नहीं है।

भुट्टे की अग्र भाग (टिप) को ढकने के साथ ही कसी हुई (टाइट) हस्क वाली मक्का की किस्मों का चयन करना चाहिए।